



भारत की महत्त्वाकांक्षी विमानपत्तन वसितार योजना

प्रलिस के लयल:

[भारतीय वललनपत्तन पराधकरण, उडान योजना, नागरकल उडडयन महानदशललय \(DGCA\).](#)

मेन्स के लयल:

भारत में वललन उद्योग कल स्थलतल, भारत में वललन कषेत्र को पुनरुवलत करने के उपाय, [वजलन 2047](#)

[सुरोत: लाडव मल](#)

करुा में करुु?

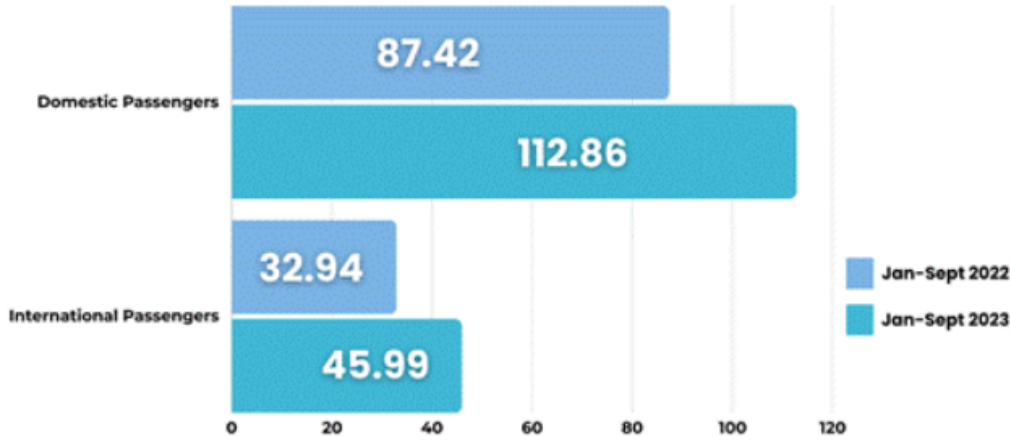
भारत कल योजना वरुष 2047 तक अपने परललन हेतु वललनपत्तन/हवाई अडडुु कल संखुया को दुगुना करके 300 तक करने कल है, जो [यातुरी यातायात में आठ गुना वृद्धकल कारण](#) संभव होगा । इस महत्त्वाकांक्षी वसलतार में देश भर में मौजूदा हवाई पटुतलु कल वकलस एवं नए हवाई अडडुु कल नरुमाण शलमलल है ।

इस वसलतार को परेरतल करने वाले कारक कुरा हैं?

- मौजूदा हवाई पटुतलु कल वकलस: [भारतीय वललनपत्तन पराधकरण\(AAI\)](#) 70 हवाई पटुतलु को A320 या B737 जैसे संकीरण अवसंरचना वाले वललनुु को संभालने में सकुषम हवाई अडडुु के रूड में वकलसतल करने कल योजना बना रहा है ।
 - मांडवी (गुजरात), सुलतानपुर (उत्तर प्रदेश), तुरा (मेघालय) और छदलवाडा (मध्य प्रदेश) में मौजूदा हवाई पटुतलु को छोटे वललनुु के लयल उन्नत कयल जा सकतल है । छोटे वललनुु को सडायोजतल करने हेतु लगभग 40 हवाई पटुतलु वकलसतल कल जानी हैं ।
 - यदल मौजूदा हवाई पटुतलु कल वकलस नहीं कयल जा सकतल है अथवा 50 कललुमीटर के भीतर कोई नागरकल हवाई अडडुु नहीं है तो नए हवाई अडडुु बनाए जाएंगे ।
 - नए **गुरीनफीलड हवाई अडडुु** कोटा (राजस्थान), परंदूर (तडललनाडु), कोटुयड (केरल), पुरी (ओडशल), पुरंदर (महाराषुटर), कार नकलुबार एवं ननलकलुु (अंडडान और नकलुबार दुवलड समूह) में बनाए जा सकते हैं ।
- अनुडानतल यातुरी यातायात वृद्धल: वरुष 2047 तक यातुरी यातायात में आठ गुना वृद्धल होने कल आशा है, जो 376 डलललन से बढकर 3-3.5 डलललन वारुषकल हो जाएगा । इस वृद्धल में अंतरराषुटुरीय यातायात का योगदान 10-12% प्राप्त सकतल है ।
 - यह योजना [वजलन 2047](#) का हसलसा है, जसलका उदुदेशु हवाई यातुरा कल डलंग में भारी वृद्धलको सडायोजतल करना है ।

Passenger Growth

(In Millions)



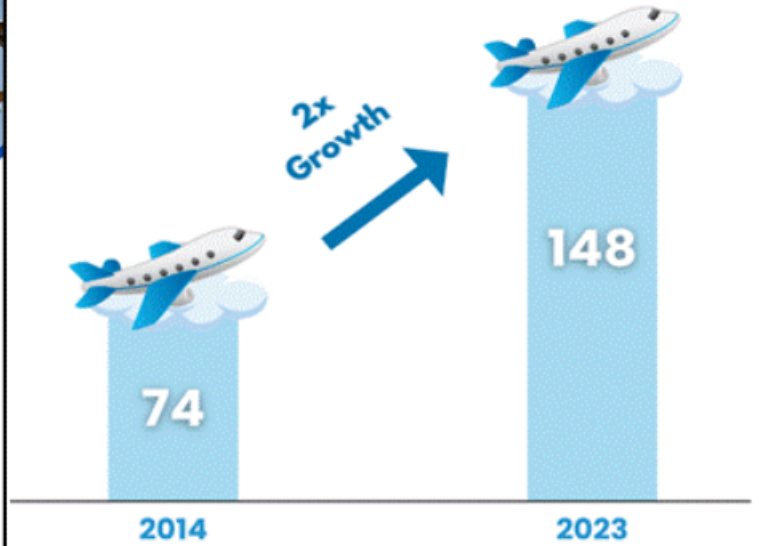
//

- उड़ान योजना कार्यान्वयन: उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) जैसी योजनाओं के माध्यम से टयिर-II और टयिर-III शहरों में कनेक्टिविटी में सुधार करना।
 - वर्ष 2014 में, 74 परचालन हवाई अड्डे थे, जो अब बढ़कर 148 हो गए हैं। उड़ान योजना के तहत, 58 हवाई अड्डों, 8 हेलीपोर्ट तथा 2 जल हवाई अड्डों सहित 68 कम सेवा वाले/असेवति गंतव्यों को जोड़ा गया है। इसने 29 से अधिक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को हवाई कनेक्टिविटी वकिसति हुई है।
 - भारत का वमिनन अवसंरचना हवाई अड्डों पर अत्यधिक भीड़भाड़ वाला है। हवाई यात्रा की मांग में वृद्धि के साथ, देश भर के प्रमुख हवाई अड्डे अपनी नरिधारति क्षमता से अधिक परचालन कर रहे हैं।

RCS-UDAN
Regional Connectivity Scheme - Ude Desh ka Aam Nagrik

- ₹4500 crore allocated for airport development; ₹3751 crore utilized so far.
- 517 RCS routes connect 76 airports, including 9 heliports & 2 water aerodromes.
- More than 1.30 crore people have availed of the benefits of the scheme.

Number of Airports in India



- आय का बढ़ता स्तर: वर्ष 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है, प्रतिव्यक्ति आय 18,000 से 20,000 अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की आशा है। यह आर्थिक वृद्धि वमिनन वसितार को बढ़ावा देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक भी है।
 - अधिक व्यय योग्य आय के कारण जनसंख्या के एक बड़े भाग के लिये हवाई यात्रा अधिक कफायती हो जाती है।
 - बढ़ता हुआ मध्यम वर्ग व्यवसाय और अवकाश दोनों के लिये अन्य परविहन साधनों की अपेक्षा हवाई यात्रा को प्राथमकता देगा।
 - आर्थिक वकिस के परिणामस्वरूप बढ़ी हुई व्यावसायिक गतविधियाँ तथा पर्यटन से हवाई यात्रा की मांग में और वृद्धि होगी।

THE UNSTOPPABLE RISE OF INDIA'S MIDDLE CLASS

AVERAGE INCOME OF MIDDLE CLASS (WEIGHTED MEAN)

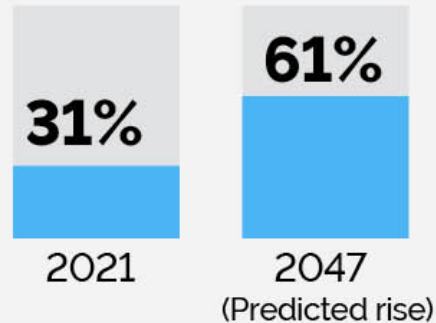


FUTURE OF MIDDLE CLASS

Average Income to Rise to **50 lakh by 2047**



MIDDLE CLASS'S SHARE IN POPULATION



- **एयर कार्गो में प्रत्याशति वृद्धि:** हालाँकि यात्री के यातायात का ध्यान देना प्राथमिक है, लेकिन वसितृत होते एयर कार्गो क्षेत्र को भी ध्यान में रखा गया है।
 - ई-कॉमर्स का विकास कुशल **हवाई माल दुलाई सेवाओं** की मांग को बढ़ा रहा है।
 - भारत का लक्ष्य वैश्विक एयर कार्गो बाज़ार में एक प्रमुख अभकिर्त्ता बनना है।
 - नए और वसितारति हवाई अड्डों में कार्गो-हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि होगी।
- **प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय केंद्रों का विकास:** भारत का लक्ष्य अपने प्रमुख हवाई अड्डों को अंतर्राष्ट्रीय केंद्रों के रूप में स्थापति करना है, ताकि वे **मध्य पूर्व** और **दक्षिण पूर्व एशिया** के स्थापति केंद्रों के साथ प्रतसिपर्द्धा कर सकें।
 - यह आकांक्षा मौजूदा हवाई अड्डों के वसितार और आधुनिकीकरण के साथ-साथ नए हवाई अड्डों के विकास को भी प्रेरति कर रही है, ताकि

अधिकाधिक अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों तथा यात्रियों को आकर्षित किया जा सके, पारगमन यातायात में वृद्धि हो एवं भारत में पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा मिले।

- हवाई यात्रा की कम पहुँच: भारत का वमिनन बाज़ार विश्व के सबसे बड़े बाज़ारों में से एक है, लेकिन विकसित देशों की तुलना में भारत में हवाई यात्रा की पहुँच अभी भी कम है।
 - AAI का आकलन अन्य प्रमुख बाज़ारों के साथ दलितसुत तुलना प्रदान करता है:
 - चीन (2019): प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 0.47 यात्राएँ (प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद: 10,144 अमेरिकी डॉलर), USA: प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 1.2-1.3 यात्राएँ (प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद: 20,000 अमेरिकी डॉलर) और वर्ष 2047 के लिये भारत का अनुमान: प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 1 यात्रा (प्रति व्यक्ति अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद: 18,000-20,000 अमेरिकी डॉलर)।
 - इससे विकास के लिये अत्यधिक अवसर पैदा होंगे, क्योंकि आय का स्तर बढ़ेगा और हवाई यात्रा अधिक सुलभ होगी तथा मांग में भी तेज़ी आने की उम्मीद है।
 - वसितार योजना हवाई यात्रा अपनाने में अपेक्षित वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने और उसके लिये तैयारी करने हेतु तैयार की गई है।

भारतीय वमिनपत्तन प्राधिकरण (AAI)

- भारतीय वमिनपत्तन प्राधिकरण (Airports Authority of India- AAI) भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय है। इसका गठन वर्ष 1995 में राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण और भारतीय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण को मिलाकर किया गया था।
- यह भारतीय हवाई क्षेत्र और आस-पास के समुद्री क्षेत्रों में हवाई यातायात प्रबंधन सेवाएँ भी प्रदान करता है।
- AAI के कार्यों में हवाई अड्डे का विकास, हवाई क्षेत्र नियंत्रण, यात्री और कार्गो टर्मिनल प्रबंधन तथा संचार एवं नेविगेशन सहायता का प्रावधान शामिल है।
- AAI 2.8 मिलियन वर्ग समुद्री मील हवाई क्षेत्र में हवाई नेविगेशन सेवाएँ प्रदान करता है।

भारत में हवाई अड्डों के वसितार के लिये चुनौतियाँ क्या हैं?

- भूमिकी कमी: बढ़ते शहरीकरण के कारण भूमिकी कमी बढ़ती जा रही है, खासतौर पर बड़े शहरों और कस्बों में। भूमिकी लागत और उपलब्धता कई हवाई अड्डा परियोजनाओं की व्यवहार्यता को प्रभावित कर सकती है।
- अधिक निवेश की आवश्यकताएँ: भारत को वर्ष 2047 तक हवाई अड्डा विकास के लिये 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की आवश्यकता होगी।
 - हवाई क्षेत्र के बुनियादी ढाँचे और ज़मीनी परिवहन के उन्नयन को शामिल करने पर कुल व्यय 70-80 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच सकता है।
- बुनियादी ढाँचा संबंधी बाधाएँ: मुंबई जैसे महत्त्वपूर्ण केंद्रों सहित कई मौजूदा हवाई अड्डे संतृप्ति की ओर बढ़ रहे हैं या पहुँच चुके हैं। कई शहरों को तत्काल नवीन हवाई अड्डों या मौजूदा हवाई अड्डों के महत्त्वपूर्ण वसितार की आवश्यकता है; यह नवीन हवाई अड्डों के विकास की प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है।
- एयर नेविगेशन सर्विसिज़ (ANS) संबंधी बुनियादी ढाँचा: ANS तकनीक के लिये लोगों और उनके प्रशिक्षण में महत्त्वपूर्ण निवेश (संभवतः 6-7 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक) की आवश्यकता है।
- भूतल परिवहन: हवाई अड्डों तक भूतल परिवहन में आवश्यक निवेश लगभग उतना ही हो सकता है जतिना कि हवाई अड्डों के निर्माण में।
 - पर्याप्त सतही संपर्क की कमी नवीन हवाई अड्डों की व्यवहार्यता और सुविधा को प्रभावित कर सकती है।
- पर्यावरण संबंधी चिंताएँ: हवाई अड्डों के वसितार को प्रायः संभावित पर्यावरणीय प्रभावों, जसिमें ध्वनि प्रदूषण और आवास व्यवधान शामिल हैं, के कारण वरिध का सामना करना पड़ता है।

आगे की राह

- एकीकृत भूमि उपयोग योजना: "एयरोट्रोपोलिस" अवधारणा के अनुरूप हवाई अड्डों के आस-पास विशेष आर्थिक क्षेत्र का निर्माण करना, जो हवाई अड्डे को व्यवसाय, रसद और आवासीय क्षेत्रों के साथ जोड़ता है। यह भूमि अधिग्रहण को उचित ठहराने और आर्थिक लाभ को अधिकतम करने में सहायक हो सकता है।
- मल्टी-मॉडल परिवहन एकीकरण: फ़्रैकफ़र्ट हवाई अड्डे के साथ लंबी दूरी के ट्रेन स्टेशन जैसे एकीकृत परिवहन केंद्र विकसित करना, जो हवाई अड्डे को सीधे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ता हो। यह सतही परिवहन चुनौतियों का समाधान करता है और हवाई अड्डे की पहुँच को बढ़ाता है।
- ग्रीन एयरपोर्ट डिज़ाइन: सतत एवं पर्यावरण के अनुकूल हवाई अड्डे के डिज़ाइन को प्राथमिकता देना। सतत सामग्री और अन्य पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों का उपयोग करने के लिये ओसलो एयरपोर्ट के दृष्टिकोण को अपनाना।
 - नॉर्वे में ओसलो एयरपोर्ट नॉर्डिक के कठोर शीतकाल से निपटने के लिये बायोमास हीटिंग सिस्टम का उपयोग करता है, गर्मी के लिये जैविक सामग्रियों का उपयोग करता है।
 - भविष्य के वसितार और आवश्यकताओं एवं परिवर्तित वमिनन रुझानों के अनुकूलन हेतु लचीलेपन के साथ हवाई अड्डों को डिज़ाइन करना।

- **सार्वजनिक-नजी भागीदारी (PPP):** नविश और विशेषज्ञता को आकर्षित करने के लिये **PPP मॉडल** का लाभ उठाना। **नरिमाण - परचालन - हसतांतरण (BOT)** मॉडल के समान एक मज़बूत PPP ढाँचा विकसित करना। इससे कुशल संचालन सुनिश्चित करते हुए बड़े पैमाने पर नविश आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिल सकती है।
- **मौजूदा हवाई अड्डों की क्षमता में वृद्धि:** तकनीकी और परचालन सुधारों के माध्यम से क्षमता को अधिकतम करना। इसमें उन्नत हवाई यातायात प्रबंधन प्रणालियों को लागू करना और नवीन रनवे निर्मित किये बिना क्षमता बढ़ाने के लिये **रनवे के उपयोग को अनुकूलित करना** शामिल है।
- **स्मार्ट एयरपोर्ट तकनीक:** दक्षता और यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिये आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना। परचालन दक्षता और क्षमता में सुधार हेतु **बायोमेट्रिक बोर्डिंग** तथा **स्वचालित बैगेज हैंडलिंग सिस्टम** जैसी तकनीकों को अपनाना।

????? ???? ?????:

प्रश्न. हवाई अड्डे के बुनियादी ढाँचे के वसितार के लिये भारत के वज़िन 2047 पर चर्चा कीजिये, इसका उद्देश्य यात्री यातायात में अनुमानित वृद्धि को कैसे पूरा करना है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. सार्वजनिक-नजी भागीदारी (PPP) मॉडल के अधीन संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से भारत में विमान पत्तनों के विकास का परीक्षण कीजिये। इस संबंध में प्राधिकरणों के समक्ष कौन-सी चुनौतियाँ हैं? (2017)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-ambitious-airport-expansion-plan>

